विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **सम्पूर्ण पवित्रता का फल**

नाश ना कर तूँ खुद का भोगकर विषय विकार
पवित्रता अपनाकर तूँ खुद पर ही कर उपकार

रोग हजारों पाएगा तूँ विकार अगर अपनाएगा
दुखी होकर जीएगा तूँ दुखी होकर मर जाएगा

विकारों से तुझ में तन मन की दुर्बलता आएगी
तेरी खुशनुमा जिन्दगी नर्क समान बन जाएगी

हिम्मत ना रहेगी तुझमें ना रहेगा आत्मविश्वास
बर्बाद करेगी पूरा तुझको विकारों की ये प्यास

खुद को तूँ अनेक उलझनों में फंसाता जाएगा
करना चाहेगा बहुत कुछ किन्तु कर ना पाएगा

पवित्रता की धारणा से मनोबल तुझमें आएगा
जो कुछ चाहता है जीवन में वो सब तूँ पाएगा

बड़ी कठोर और मजबूत है विकारों की चट्टानें
आत्म स्मृति के हथौड़े इन पर होंगे तुझे लगाने

प्रहार इन पर करता जा तूँ निरन्तर और भरपूर
कर दे इन पांचों विकारों को पूरा ही चकनाचूर

खुद को रोज पिलाता चल तूँ पवित्रता की घुट्टी
ईश्वरीय स्मृति से ना लेना एक पल की भी छुट्टी

एक पल का अलबेलापन तुझे धोखा दे जाएगा
तेरा सारा पुरुषार्थ फिर से शून्य पर आ जाएगा

खुद में जलाकर रखना प्रचण्ड योग की ज्वाला
केवल यही अभ्यास तुझको पवित्र बनाने वाला

दैहिक आकर्षण से जब तूँ पूरा मुक्त हो जाएगा
सबको अपने आत्म स्वरूप का दर्शन दे पाएगा

तुझे देखकर जब कोई खुद को पावन बनाएगा
सम्पूर्ण पवित्रता की श्रेष्ठ मंजिल तब ही पाएगा

यही सम्पूर्ण पवित्रता तुझको फरिश्ता बनाएगी
दुखों से मुक्ति दिलाकर तुझे स्वर्ग में पहुंचायेगी

*ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->